आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82
(डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव आँचल

वर्ष 46 अंक 49 (प्रति रविवार) इंदौर, 27 अगस्त से 02 सितम्बर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

भारत लालफीताशाही से रेड-कार्पेट की ओर बढ़ गया है-मोदी

जयपुर में जी-20 के मंच से पीएम ने की छोटे कारोबारियों और एनएसएमई के सहयोग की पैरवी

जयपुर (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अब भारत लाल फीताशाही से रेड कार्पेट की ओर बढ़ गया है। भारत खुलेपन के अवसरों और नए विकल्पों के मेल के रूप में देखा जाता है। पिछले नौ साल के दौरान हमारे लगातार प्रयासों से भारत पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है। पीएम ने ई कॉमर्स में इंटरनेशनल लेवल पर छोटे और बड़े कारोबारियों को बराबर अवसर देने की पैरवी की है। मोदी ने छोटे और मझोले उद्योगों को ज्यादा सहयोग देने का सुझाव दिया। पीएम गुरुवार को जयपुर में हो रही जी-20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की बैठक को वर्चुअल संबोधित कर रहे थे।

पीएम ने कहा कि यह क्षेत्र अपने गतिशील और उद्यमशील लोगों के लिए जाना जाता है। व्यापार ने विचारों, संस्कृतियों और तकनीक के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है। इतिहास गवाह है कि व्यापार लोगों को निकट लाया है। व्यापार और ग्लोबलाइजेशन ने करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।

छोटे और मझोले उद्योगों को ज्यादा सहयोग करें जी-20 देश-मोदी ने कहा- वैश्विक अर्थव्यवस्था में एमएसएमई की प्रमुख भूमिका को देखते हुए उन पर अधिक ध्यान देना होगा। एमएसएमई 60 से 70 प्रतिशत रोजगार देते हैं और वैश्विक जीडीपी में 50 प्रतिशत का योगदान देते हैं। ऐसे में छोटे और मझोले उद्योगों को लगातार समर्थन देने की आवश्यकता है।

छोटे और मझोले उद्योगों का सशक्तिकरण सामाजिक सशक्तिकरण में बदल जाता है। हमारे लिए एमएसएमई का अर्थ है- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को अधिकतम सहयोग। भारत ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म - सरकारी ई-मार्केटप्लेस के माध्यम से एमएसएमई को सार्वजनिक खरीद से जोड़ा है और पर्यावरण पर जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट को अपनाने के लिए एमएसएमई क्षेत्र के साथ काम कर रहा है। 2014 में रिफॉर्म, परफॉर्म की यात्रा शुरू की-मोदी ने कहा- हमने 2014 में रिफॉर्म, परफॉर्म परिवर्तन की यात्रा शुरू की। भारत ने डिजिटलाइजेशन के विस्तार और इनोवेशन को बढ़ावा दिया है। माल ढुलाई के लिए हमने डेडिकेटेड फ्रंट कॉरिडोर और इंडस्ट्रियल एरिया बनाए हैं। हम लाल फीताशाही से रेड कार्पेट और उदार एफडीआई की ओर बढ़ गए हैं। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहल की और पॉलिसी लेवल पर भी स्थिरता लेकर आए। सरकार अगले कुछ सालों में भारत को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोविड ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की परीक्षा ली-मोदी ने कहा कोविड महामारी से लेकर जियो पॉलिटिकल टेंशन तक मौजूदा वैश्विक चुनौतियों दुनिया की अर्थव्यवस्था की परीक्षा ली है। जी-20 देशों के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश में विश्वास बहाल करें। प्रधानमंत्री ने लचीली और समावेशी वैश्विक मूल्य श्रृंखला बनाने पर जोर दिया जो भविष्य की चुनौतियों का सामना करने पर सक्षम हो।

प्रधानमंत्री ने कहा- व्यापार में बदलती हुई टेक्नोलॉजी की ताकत निर्विवाद है। जीएसटी की तरफ बढ़ना इसका एक उदाहरण है। जीएसटी से इंटर स्टेट व्यापार को बढ़ावा मिला साथ ही इंटीग्रेटेड बाजार बनाने में भी मदद मिली। डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क% एक गेम-चेंजर शुरुआत है। हमने पेमेंट सिस्टम के लिए अपने एकीकृत भुगतान इंटरफेस के साथ पहले ही ऐसा कर लिया है।

सेनाओं के लिए 7800 करोड़ की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को करीब 7,800 करोड़ रुपए के खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। सेना के अलावा एयरफोर्स और नेवी की दक्षता बढ़ाने के लिए हेलिकॉप्टर के उपकरण, लाइट मशीन गन, टैबलेट और लैपटॉप आदि की खरीद को मंजूरी दी गई। एयरफोर्स के लिए ईडब्ल्यू सुइट खरीदे जाएंगे-रक्षा मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इंडियन एयरफोर्स की दक्षता बढ़ाने के लिए डीएसी ने भारतीय-आईडीडीएम श्रेणी के एमआई-17 ङ्क5 हेलिकॉप्टरों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सुइट की खरीद की मंजूरी दी। यह हेलिकॉप्टरों की लाइफ को बढ़ाएगा। ईडब्ल्यू सुइट भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से खरीदा जाएगा। मैदान-आधारित स्वायत्त प्रणाली की खरीद से मानवरहित निगरानी और गोला-बारूद, ईंधन और पुर्जों की डिलीवरी के साथ-साथ युद्ध क्षेत्र से हताहतों की निकासी जैसे कार्य आसान होंगे।मंत्रालय के मुताबिक, पैदल सेना के लिए 7.62×51 एमएम लाइट मशीन गन (एलएमजी) और मशीनीकृत बलों की आवाजाही के लिए ब्रिज लेइंग टैंक (बीएलटी) खरीदे जाएंगे।

ब्रिक्स समिट में मोदी-जिनपिंग ने हाथ मिलाया, बातचीत की

सऊदी,यूएई समेत 6 देशों को संगठन का न्योता मोदी बोले–इनसे हमारे ऐतिहासिक रिश्ते

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका में 15वीं ब्रिक्स समिट के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग हाथ मिलाते नजर आए। दोनों नेताओं के बीच कुछ सेकेंड की बातचीत भी हुई। इससे पहले नवंबर 2022 में पीएम मोदी और जिनपिंग ने इंडोनेशिया में हुई जी-20 समिट में सीमा विवाद पर बात की थी, जिसकी जानकारी इस साल दी गई। दूसरी तरफ, ब्रिक्स संगठन में जुड़ने के लिए 6 नए देशों को न्योता दिया गया है। इनमें अर्जेंटीना, सऊदी अरब, यूएई, मिस्र, इथियोपिया और ईरान शामिल हैं। ये 1 जनवरी 2024 से ब्रिक्स के परमानेंट मेंबर बन जाएंगे। साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने बताया कि पहले फेज की बैठक में इन देशों को संगठन का मेंबर बनने का न्योता दिया गया है। साउथ अफ्रीका में साइन हुए ब्रिक्स के डिक्लेरेशन में ब्राजील, भारत और साउथ

अफ्रीका की हस्ट में परमानेंट मेंबरशिप की मांग की गई। समिट के बाद मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी से भी बातचीत की।

पीएम मोदी ने ब्रिक्स के नए सदस्यों का स्वागत किया-जिन देशों को ब्रिक्स का न्योता मिला है, उन्हें पीएम मोदी ने बधाई दी। उन्होंने कहा- भारत ने ब्रिक्स विस्तार का हमेशा समर्थन किया। इन सभी देशों से हमारे गहरे और ऐतिहासिक रिश्ते हैं। मुझे खुशी है कि 3 दिन की बैठक में कई पॉजिटिव रिजल्ट्स मिले हैं। मोदी ने पश्चिमी देशों के दबदबे वाले संगठनों का नाम लिए बगैर कहा- ब्रिक्स का विस्तार ये जाहिर करता है कि दुनिया के बड़े संगठनों को समय के साथ बदलना चाहिए। वहीं, जो भी देश पहले फेज में इस संगठन से नहीं जुड़ पाए हैं, उनको इसकी सदस्यता दिलाने के लिए भारत पहल जारी रखेगा। जब हम ग्लोबल साउथ का प्रयोग करते हैं तो ये केवल डिप्लोमेटिक शब्द है। हमने भेदभाव का मिलकर विरोध किया है। गांधी ने साउथ अफ्रीका में ही अश्वेतों के लिए आवाज उठाई। उन्होंने नेल्सन मंडेला को प्रेरित किया। भारत ने अफ्रीका के साथ संबंधों को प्राथमिकता दी है। 16 नए दूतावास खोले हैं। यह चौथा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। एजेंडा-2063 के तहत अफ्रीका को दुनिया का ग्लोबल पावर हाउस बनाने में भारत साझेदार है। मून मिशन पर हमें बधाइयां मिल रही हैं।

संपादकीय

50 लाख के मकान में 18 लाख का प्रत्यक्ष टैक्स, कैसे हो सस्ते मकान का सपना साकार

केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा मकान निर्माण में उपयोग होने वाले सभी वस्तुओं पर भारी टैक्स लगा दिया गया है। जिसके कारण मकानों की कीमत साल दर साल लगातार बढ़ती ही जा रही है। हाल ही में राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद के अध्यक्ष राजन बंदेलकर ने सरकार से कहा है, कि सस्ते मकान बनाना अब भारत में संभव नहीं है। मकानों पर लगने वाले टैक्स को हटाने और कम करने की जरूरत है। वर्तमान में यदि 50 लाख रुपए का मकान जो बाजार में बिक रहा है। उसमें लगभग 18 लाख रुपए का टैक्स लग रहा है। जिसके कारण मकान की कीमत दिनोंदिन लगातार बढ़ती ही जा रही है। बंदेलकर के अनुसार जमीन खरीद से लेकर कंस्ट्रक्शन करने में कच्चा माल और बिक्री पर लगने वाला जीएसटी और केंद्र एवं राज्य सरकारों के विभिन्न कर, स्थानीय प्रशासन द्वारा अनुमति दिए जाने के पूर्व शुल्क, तरह-तरह के टैक्स लगने से मकानों की कीमत बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। पिछले एक दशक में रेत, गिट्टी, सीमेन्ट, लोहा से लेकर स्टांप ड्यूटी, जीएसटी और स्थानीय करों के कारण मकान निर्माण की लागत लगातार बढ़ती ही जा रही है। जिसका असर खरीदारों पर अब स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। महंगी कीमतों के कारण अब आम आदमी मकान नहीं खरीद पा रहा है। राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद के अध्यक्ष का कहना है कि बिल्डर का मार्जिन आज भी सिंगल डिजिट में है। लेकिन मल्टीप्ल टैक्स डबल डिजिट में आम आदमियों को देना पड़ रहे हैं। सस्ते मकान का सपना अब लगता है, जनता के लिये सपना ही रहेगा। लगभग 30त्न से ज्यादा टैक्स आम आदमियों को भवन निर्माण की सामग्री खरीदने और उनकी विभिन्न शुल्कों को अदा करने पर देना पड़ रहा है। पिछले वर्षों में लगातार रेत, गिट्टी, सीमेंट और अन्य समान के रेट भारी टैक्सों के कारण बढ़ते ही जा रहे हैं। बैंक से कर्ज लिए मकान खरीदना खरीदार के लिये संभव नहीं होता है। मकान खरीदने के बाद बैंक में ब्याज के रूप में आम आदमी को लाखों रुपए भरने पड़ रहे हैं। वर्तमान स्थिति में जिस तरह का टैक्स और ब्याज आम आदमियों को मकानों पर लग रहा है। उसके कारण अब मकान के खरीददार बाजार से गायब हो रहे हैं। रियल स्टेट का अरबों-खरबों रुपए जमीन और मकानों में फंस गए हैं। बिल्डर्स को अब खरीदार नहीं मिल रहे हैं। रियल स्टेट का कहना है, कि सरकार टैक्स को घटाएं। सस्ते मकान मध्य और निम्न वर्ग को उपलब्ध हों, इस दिशा में प्राथमिकता के साथ सरकार के लिये निर्णय लेने की जरूरत है। भारी टैक्सों के कारण अब लोगों के लिये मकान खरीदना उनकी क्रय शक्ति में शामिल नहीं है। महंगाई एवं बेरोजगारी का असर रियल स्टेट पर स्पष्ट रूप से बड़ रहा है। जिन्होंने मकान खरीदे हैं। वह अपनी ईएमआई नहीं चुका पा रहे है। बैंक नीलामी से मकानों को बेचने की कोशिश करते है। नीलामी में बैंकों को खरीददार नहीं मिल रहे हैं। बैंकों का भी अरबों रूपयों हाउसिंग लोन में डूब रहा है। जिन बिल्डरों ने बैंक से कर्ज लेकर आवास बनाये है। वह भी नहीं बिक पा रहे हैं। बिल्डर भी बैंकों में डिपाल्टर हो रहे है। सरकार को त्वरित रूप से मकानों की लागत को कम करने लिये टेक्स एवं शुल्क घटाने होंगे। समय रहते यह नहीं किया गया तो स्थिति बड़ी विकराल हो सकती है।

अब सूर्य पर भारत फतेह से दुनिया चमत्कृत होगी

ललित गर्ग

चंद्र अभियान की ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक नया इतिहास गढ़ने एवं एक और मैदान फतेह करने को तत्पर है और सूरज का अध्ययन करने के लिए संभवतः दो सितंबर, 2023 'आदित्य-एल 1' यानी सूर्य मिशन के प्रक्षेपण की तैयारी कर रहा है। 'आदित्य-एल 1' अंतरिक्ष यान को सौर कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परतों) के दूरस्थ अवलोकन और एल-1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर हवा के यथास्थिति अवलोकन के लिए बनाया गया है, इस मिशन की मदद से स्पेस में मौसम की मोबिलिटी, सूरज के तापमान, सोलर स्टॉर्म, एमिशन और अल्ट्रावॉयलेट रेज के धरती और ओजोन लेयर पर पड़ने वाले प्रभावों की स्टडी की जा सकेगी, जिससे मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को सकारात्मक मोड़ देने में सुविधा रहेगी। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक और मील का पत्थर होगा। इस प्रक्षेपण के बाद अमरीका, जर्मनी और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के बाद भारत सूर्य के पास उपग्रह भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा। आदित्य एल-1 को पृथ्वी-सूर्य प्रणाली की ऑर्बिट के पांच बिंदुओं में से एक लैग्रेंज-1 में स्थापित किया जाएगा। यहां सूर्य पर ग्रहण के दौरान भी नजर रखी जा सकती है। यह पॉइंट पृथ्वी से 15 लाख किमी. दूर है। निश्चित ही चंद्रयान-3 के 3.84 लाख किमी. के सफर के मुकाबले आदित्य एल-1 का सफर कहीं ज्यादा चुनौती एवं संघर्षपूर्ण होगा।

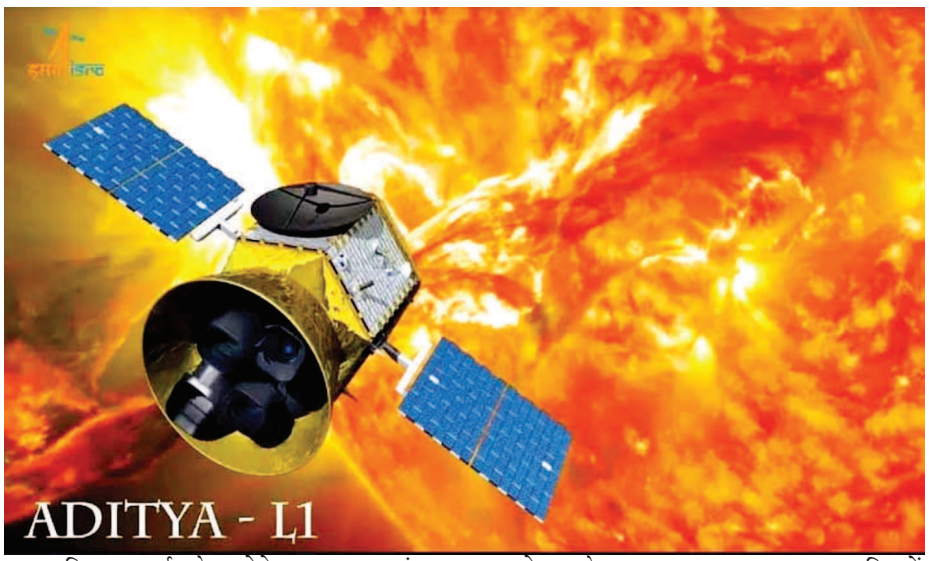

दुनियाभर के वैज्ञानिक ब्रह्माण्ड के रहस्यों को जानने में जुटे हैं। जिस सौरमंडल में हम रहते हैं, उसे समझने के लिए सूर्य को जानना जरूरी है। सूर्य की ऊर्जा का अध्ययन धरती पर नहीं किया जा सकता। इसलिए दुनिया की दूसरी अंतरिक्ष एजेंसियों की तरह इसरो भी सूर्य के पास जाकर अध्ययन करना चाहता है। उसका पहला सूर्य अभियान सूर्य के कोरोना, प्रकाश मंडल, क्रोमोस्फीयर, सौर उत्सर्जन, सौर तूफानों और कोरोनल मास इजेक्शन के अध्ययन के साथ-साथ सूर्य की संपूर्ण इमेजिंग के नए द्वार खोल सकता है। लगातार चमकने वाला सूर्य, जहां ऊर्जा के लिए निरंतर विस्फोट होते रहते हैं, हमेशा से रहस्य का विषय रहा है। लेकिन ये विस्फोट कब होंगे और इसके प्रभाव क्या होंगे, इसकी सटीक जानकारी धरतीवासियों को नहीं है। ऐसे में इस टेलीस्कोप का एक उद्देश्य इनकी स्टडी करना है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मिशन के तहत अलग-अलग तरह के डाटा को जुटाकर ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकेगी जिससे धरती को होने वाले नुकसान के बारे में पहले से अलर्ट किया जा सकेगा। इस अभियान की कामयाबी इसरो के लिए अंतरिक्ष में एक और अहम छलांग होगी। इससे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी भी बढ़ेगी, जो कि फिलहाल सिर्फ दो फीसदी है। इसमें वृद्धि के लिए इसरो को उसकी महत्त्वाकांक्षाओं के अनुरूप सरकार से हरसंभव मदद मिलनी चाहिए।

नया भारत एवं सशक्त भारत निर्मित करने की अनेक बहुद्देश्यीय एवं बहुआयामी योजनाएं आजादी के अमृतकाल में आकार लेने के लिये उजावली हैं, उन्हीं योजनाओं में अंतरिक्ष के अनुसंधान एवं अध्ययन से जुड़ी योजनाओं में से 'आदित्य-एल 1' एक बड़ी परियोजना है, जो सूर्य की गतिशीलता और उसके पास के मौसम की समझ में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। सूर्य का नाम आदित्य भी है, अतः इस नाम का अभियान या यान सबके आकर्षण का केंद्र बने, तो कोई आश्चर्य नहीं। यह अभियान दुनिया में एक भारतीय शब्द का प्रचार और भारत के अंतरिक्ष अभियान के स्वदेशी होने का अहसास करायेगा। योजना के अनुसार, यह यान कुल 125 दिन में सूर्य के पास की कक्षा में पहुंच जाएगा। सूर्य के एकदम निकट जाने के बारे में तो कोई सोच नहीं सकता, पर सूर्य के पास एक सुरक्षित कक्षा है जहां पहुंचकर कोई यान परिक्रमा करते हुए सूर्य को देख-परख सकता है। यह आदित्य अंतरिक्ष यान सात उन्नत उपयोगी उपकरणों से सुसज्जित है, जो सूर्य की विभिन्न परतों, प्रकाशमंडल और क्रोमोस्फीयर से लेकर सबसे बाहरी परत, कोरोना तक की जांच करने के लिए तैयार किए गए हैं। इरादा यह है कि सूर्य के पास घटित होने वाली तमाम गतिविधियों का डाटा एकत्र किया जाए, ताकि सूर्य की कुल क्रिया-प्रतिक्रिया को समझा जा सके। हम तेज सूर्य से आंख नहीं मिला पाते हैं, पर भारत का आदित्य यान सूर्य से सीधे आंख मिलाने में सक्षम होगा, इसमें लगे चार उपकरण तो केवल सूर्य को देखने का काम करेंगे, मतलब इस अभियान का मूल लक्ष्य सूर्य को करीब से देखना है।

भारत पूरातन काल से ज्ञान-विज्ञान का असीम भंडार रहा है। हमारे ऋषियों-मनीषियों ने आचार-विचार, आत्म-विकास एवं गहन खोजों से चिकित्सा, दर्शन, अर्थ और सौरमंडल तक की ऐसी जानकारी प्रदान की है, जिसके बारे में विश्व को बहुत बाद में पता चला। स्वामी विवेकानन्द ने कहा भी है कि आधुनिक विज्ञान के सूत्र पुरातन काल में वेदों में लिखित सूत्र ही है। किसी भी आपदा या घटना का पूर्वानुमान भारत में इसी सौरमंडल की जानकारी के आधार पर ही संभव हुआ है। सूर्य में भारत की दिलचस्पी एवं श्रद्धाभाव को स्वाभाविक ही समझा जा सकता है। भारत एक ऐसा देश है जहां सूर्य को देवता मानकर पूजने वाले, पर्व-उपवास करने वाले लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। भारत में हर सुबह सूर्य नमस्कार और सूर्य को जल अर्पण दिनचर्या में शामिल है। भारतीय पौराणिक कथाओं में सूर्य एक चरित्र या किरदार के रूप में पुरजोर उपस्थित है। इसलिये कोई आश्चर्य नहीं, भारतीय ज्यादा श्रद्धाभाव से सूर्य का अध्ययन करते हुए विश्व मानवता को उपकृत सकेंगे। क्योंकि अब भारत पुरातन ज्ञान से अत्याधुनिक विज्ञान की स्वर्णिम यात्रा पर बढ़ रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरगामी सोच एवं प्रोत्साहन से देश की वैज्ञानिक सोच एवं उपक्रमों को नया आधार मिल रहा है। वह भी अद्भुत दृश्य था, प्रधानमंत्री जब ब्रिक्स समिट एवं अन्य देशों की यात्रा से सीधे इसरो मुख्यालय पहुंचे और विज्ञानियों और इंजीनियरों से खास तौर पर मुलाकात की और उनके योगदान को सराहा। इसे प्रधानमंत्री ने यह कहकर अच्छे से रेखांकित किया कि जब हम अपनी आंखों के सामने इतिहास बनते हुए देखते हैं तो जीवन धन्य हो जाता है और ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं जीवन में चिरंजीव चेतना बन जाती हैं। मोदी ने कहा भी है कि आज हर कोई यह कह रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी है। भारत ही वह देश है जिसके पास युवा शक्ति का भरपूर भंडार है, मजबूत इरादे है एवं स्वतंत्र पहचान है। पहले सोच थी की भारत बदलेगा ही नहीं लेकिन अब सोच है कि हमारा यह देश खुद भी बदल रहा है एवं पूरी दुनिया को बदलने की सामर्थ्य रखता है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना हमारे विश्वास को मजबूत करता है कि भारत से जो प्रकाशपुंज उठा है, उसमें विश्व को ज्योति नजर आ रही है। आज हमारे पास लोकतंत्र, जनसंख्या और विविधता है और यह त्रिवेणी भारत के हर सपने को साकार करने का सामर्थ्य रखती है। भारत का सबसे बड़ा सामर्थ्य बना है मोदी सरकार के प्रति जन-जन का और विश्व का भारत के प्रति विश्वास। यह बेवजह नहीं है। जरूरत है भारत के विभिन्न राजनीतिक दल भी इसके महत्व को स्वीकारें।

करोड़ों भारतीयों की प्रार्थना और इसरो के विज्ञानियों की मेधा एवं उनके अथक प्रयासों से जिस तरह चंद्रयान-3 अंततः चांद पर पहुंच ही गया, उसी तरह 'आदित्य-एल 1' भी सूर्य पर फतेह करके दुनिया को आश्चर्य में डालेंगा एवं चमत्कृत करेंगा। इस महत्वाकांक्षी अभियान से एक बार फिर भारत के लोगों का सीना गर्व से चौड़ा होगा और पूरे देश में एक सुखद अनुभूति एवं ऊर्जा की लहर दौड़ेगी। इस महा सूर्य- अभियान के सफल होने से भारतवासियों के अंदर एक अनूठा आत्मविश्वास जागेगा, हौंसला बुलन्द होगा कि हम किसी भी जटिल से जटिल कार्य को पूर्ण कर सकेंगे और विश्वगुरु होने की पात्रता प्राप्त करेंगे।

धर्म की आड़ में सत्ता व अर्थप्राप्ति ही संघ का असली एजेंडा

इंदौर। देश के जाने माने पत्रकार वराष्ट्रीय हित के मुद्दों पर संघर्षरत योद्धा श्री विनीत नारायण जी ने आर. एस. एस. व भारतीय जनता पार्टी पर सीधे सीधे आरोप लगाया है कि, धर्म की आड में सत्ता प्राप्ति व चन्दा वसूली आर. एस. एस. व भारतीय जनता पार्टी का असली एजेन्डा है।

शहर कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन में कांग्रेसजनों को तथ्यपूर्ण व विचारोंतेजक उद्बोधन में श्री विनीत नारायण जी ने कहा कि, संघ परिवार हिन्दू धर्म व सनातन धर्म की जडों में मट्ठा डालने का काम कर रहा है। श्री विनीत नारायण जी का कहना था कि, हिन्दू धर्म में आकार निराकार पूजा व्यवस्था है, धर्म की व्याख्या का अधिकार सिर्फ व सिर्फ पूज्य शंकराचार्य द्वारा स्थापित चारों मठों को है, शंकराचार्य ही सनातन धर्म के अधीक्षक व मार्गदर्शक है. धर्म व पुराणों की समीक्षा के प्रय। पूज्य शंकराचार्य का अपमान है। स्वंय पुरी के शंकराचार्यजी का कहना है कि, देश के शंकराचार्य के गुरुत्व को चुनौती दी जा रही है। सन्त तो वह है जो राजा का मार्गदर्शक हो ना कि चारण।

विनीत नारायण ने केन्द्र की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुये कहा कि, देश में गोमाता की पूजा होती है, इसके विपरीत केन्द्रीय गृहमंत्री श्री शाह का कहना है कि, गोमांस व्यापार पर रोक नही लग सकती, वर्तमान में देश में गोमांस के व्यापार में वृद्धि हुई है-

विनीत नारायण ने उपस्थित श्रोताओं को जानकारी दी कि, 1970 में उत्तर प्रदेश के कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री टण्डन ने अयोध्या, काशी व मथुरा के आपसी सहमति व समन्वय से जीर्णोद्धार की बात कही थी, संघ परिवार ने राजनैतिक लाभ के लिये रामजन्म भूमि आन्दोलन की बागडोर संभाली, आर.एस.एस. भाजपा राजनैतिक प्रचारक है, हिन्दू धर्म का नही। यह भी कहा कि, अयोध्या व काशी में सरकार ने सैकड़ों मन्दिर तोड़ दिये। विनीत नारायण ने सौन्दर्यीकरण के नाम पर भाजपा श्री विनीत नारायण जी ने यह कहा कि, भारत विश्वगुरू है. किंतु विश्वगुरू के शिक्षा केन्द्रों में विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते थे. अन्य धर्मो के खिलाफ तलवार नही लहलहाते थे। श्री विनीत नारायण जी ने जिज्ञासू श्रोताओं के प्रश्नों का समाधान भी किया। कार्यं म के प्रारंभ में शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री सुरजीतसिंहजी चड्ढा ने स्वागत भाषण देते हुये अतिथि परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन शहर कांग्रेस के संगठनमंत्री श्री महेन्द्रसिंह रघुवंशी ने किया व आभार जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष श्री सोहराब पटेल ने माना। कार्य म में सर्वश्री सुरेश मिंडा, प्रेम खडायता, राजा मांधवानी, स्वप्निल कोठारी, प्रीतम माटा, बद्री शर्मा, देवेन्द्रसिह यादव, बिंदू डांगोर, मनीषा शिरोडकर, अमानुल सूरी, मिलाप शुक्ला, दिलीप कौशल, रवि गुरनानी, विवेक खंडेलवाल, गिरीश जोशी, प्रमोद द्विवेदी, घनश्याम जोशी, रमेश घाटे, विपीन गंगवाल, वीरू झांझोट, महमूद कुरेशी, चन्द्रशेखर पटेल, रफीक अलवी, सलीम शेख, राजेश जोशी, रविन्द्र पाठक, गोपाल दरियानी, दिलीप कुदल, सुनील गोधा, सत्यनारायण सलवाडिया, इसरार खान, संजीव सेठ, कृष्णगोपाल लड्ढा, कृष्णगोपाल लड्ढा, अंकित खडायता, सन्नी पठारे, यतीन्द्र वर्मा, प्रकाश महावर, दिलीप ठक्कर, जितेश होलकर, राधे बोरासी, मोहन चौहान, लखन परसवानी, अजीतसिंह ठाकुर, सचिन चौहान, रूबल चड्ढा, धर्मेन्द्र कटारिया, गोलू सिरसवाल, वेदप्रकाश मुकेश बडके, शिव गुप्ता, नीलेश गोहर, गंगेश हटकर, दिनेश चौहान, जीतू दीवान, सुदेश डोंगरे, सतीश परिहार, राजाराम बोरासी, राजेश रामटेके, भूपेन्द्र केतके, पीयूष भिटे, अनिल टांक, तुलसीराम हार्डिया, उपस्थित थे।

6 कॉलोनियों को नियमित करने के संबंध में आपत्तियां आमंत्रित

इन्दौर। इंदौर की विभिन्न कॉलोनियों को नियमित किये जाने की कार्यवाही चल रही है। इस संबंध में 6 कॉलोनियों को नियमित करने के लिये अनुविभागीय अधिकारी जूनी इंदौर द्वारा आपत्तियां आमंत्रित की गई है।

अनुविभागीय राजस्व अधिकारी जूनी इंदौर श्री घनश्याम धनगर ने बताया कि इस संबंध में इच्छुक संस्थाएं/व्यक्ति आपत्ति होने पर आगामी एक सितम्बर 2023 तक अनुविभागीय राजस्व अधिकारी जूनी इंदौर के कलेक्टर कार्यालय स्थित कक्ष क्रमांक 204 में स्थित न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम खजराना की अली कॉलोनी (अहिल्या गृह निर्माण सहकारी संस्था) के सर्वे नंबर 328/1/1 का कुल रकबा 6.11 एकड़, वैभव नगर मेन (हरियाण नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था) के सर्वे नंबर 1179 तथा 1417 का कुल रकबा 16.42 हेक्टेयर, चेतन नगर सेक्टर-बी (हरियाण नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था) के सर्वे नंबर 1179 तथा 1417 का कुल रकबा 16.42 हेक्टेयर, ग्राम खजराना की वैभव नगर एक्सटेशन (नौलखा नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था) का सर्वे नंबर 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1418, 790, 791, 813, 1266, 1267, 1270, 1271, 1272, 1273, 1298, 790/1445, 790/1483, 1272/1484, 1274/1522 का कुल रकबा 19.059 हेक्टेयर, ग्राम पिपल्याहाना की उदय नगर इनफारमल सेक्टर (ब्रजेश्वरी को ऑपरेटिव सोसायटी) के सर्वे 549/2, 588, 574, 576, 577, 578, 549/1, 329/2, 328, 330/2, 331/2, 589/1, 591, 590, 490/2, 483, 490/1 का कुल रकबा 22.218 हेक्टेयर तथा ग्राम मुसाखेड़ एज्युकेषनिष्ट कॉलोनी (एज्युकेषनिष्ट को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी) के सर्वे नंबर 5/1 तथा 5/2 का कुल रकबा 0.813 हेक्टेयर को नियमित करने की कार्यवाही प्रचलित है।

इंदौर आए मुख्यमंत्री, एयरपोर्ट पर किया संबोधित कहा

स्मार्टनेस का बन गया आइकॉन, सचमुच इंदौर एक नया दौर

इंदौर। वायु गुणवत्ता में इंदौर देश में अव्वल आया है, स्मार्ट सिटी में भी इंदौर ने देश में बाजी मारी है। इस क्रम में शनिवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर एयरपोर्ट पर संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सब गौरव से भरे हुए हैं। पीएम के नेतृत्व में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। चंद्रमा पर चंद्रायान भ्रमण कर रहा है और भारत की यशगाथा को पूरी दुनिया में पहुंचा रहा है, वहीं मध्य प्रदेश देश में नंबर एक प्रदेश बन गया है। इंदौर तो वायु गुणवत्ता में भी नंबर एक है। अपना इंदौर स्वच्छतम शहर तो है ही शुद्ध वायु दे रहा है नागरिक को. लेकिन स्मार्टनेस में भी इंदौर नंबर एक है। मैं इंदौरवासियों, महापौर, सांसद और सभी जनप्रतिनिधियों, इंदौर की जनता, कर्मचारी-अधिकारी सभी का हृदय से अभिनंदन करता हूं। आप सभी के प्रयत्नों से इंदौर आइकॉन बन गया है। सचमुच इंदौर एक नया दौर ही है।

सड़क पर आए भाजपा कार्यकर्ता, रैली में गुस्सा के खिलाफ नारेबाजी

एक व पांच नंबर में नए चेहरे की मांग

इंदौर। विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने 39 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। जल्द ही दूसरी सूची जारी होने वाली है, जिसे देखते हुए विरोध शुरू हो गया है। सबसे ज्यादा विरोध एक और पांच नंबर विधानसभा में है। शुक्रवार को एक नंबर विधानसभा के पुराने कार्यकर्ता अरुण तिवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता के खिलाफ रैली निकाली। गुप्ता के खिलाफ नारेबाजी की गई। तिवारी का कहना था कि हमारी नाराजगी पार्टी से नहीं है। हमारी मांग है कि पार्टी ऐसे चेहरे पेश न करे जो हार जाएं। हमारी किसी से व्यक्तिगत नाराजगी नहीं है। हम पार्टी हित की बात कर रहे हैं। गुप्ता ने चुनाव हारने के बाद निष्ठावान कई कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर दिया। गुप्ता को टिकट देंगे तो हार की आशंका है। उधर, वरिष्ठ नेता सत्यनारायण सत्तन सहित कई नेता गुप्ता का खुलकर समर्थन कर रहे हैं। वरिष्ठों को दी जानकारी गुप्ता के विरोध में विधानसभा के 50 से अधिक कार्यकर्ता शुक्रवार को भोपाल पहुंचे। अमरदीप मौर्य, दिनेश शुक्ला, राजेश शर्मा, सुभाष परमार, संतोष यादव, दिनेश शर्मा, संजय शर्मा आदि मप्र चुनाव प्रबंध समिति के अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री नरेंद्रसिंह तोमर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा से मिले।

कलेक्टरों को संकेत चुनावी प्रबंधन पूरे करें, सितंबर के पहले सप्ताह आएगी चुनाव आयोग की फुल बेंच

इंदौर। विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आने के साथ ही अब जिलों में कलेक्टरों की जिम्मेदारी बढने लगी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को संकेत दिए हैं कि आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने की प्रक्रिया पूरी कर लें, क्योंकि भारत निर्वाचन आयोग की फुल बेंच सितंबर के पहले सप्ताह में मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा करेगी।

फुल बेंच की बैठक में चुनाव आयोग द्वारा अब तक दिए गए चुनाव तैयारी संबंधित निर्देशों पर अमल की समीक्षा की जाएगी। इसके आधार पर आयोग विधानसभा चुनाव की तारीखों पर विचार करेगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने आयोग की फुल बेंच की बैठक की तैयारी शुरू कर दी है। बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार सितंबर के पहले सप्ताह में फुल बेंच और 15 से अधिक अफसरों की टीम के साथ भोपाल आएंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त भोपाल में दो से तीन दिन तक रुक कर बैठक करेंगे। इस दौरान प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर, एसपी, संभाग आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षकों को भी भोपाल बुलाया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त इन अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनाव संबंधी संपूर्ण गतिविधियों की रिपोर्ट लेंगे।

इन पर होगा आयोग का फोकस-चुनाव आयोग की फुल बेंच कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से चुनाव करने के दौरान होने वाली दिक्कतों को लेकर चर्चा करेगी। इसमें मतदान केंद्रों की स्थिति, संवेदनशील मतदान केंद्र, मतदान केंद्रों में दूरसंचार व्यवस्था, पहुंच मार्ग की व्यवस्था, सुरक्षा बलों की स्थिति, अंतर राज्य सीमा से लगे मतदान केंद्रों की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था की स्थिति, अधिकारियों कर्मचारियों को सौंपे जाने वाले दायित्व के बारे में जानकारी ली जाएगी।

भाजपा को पवित्र रक्षा बंधन से नहीं, सत्ता बंधन के स्वार्थ से सरोकार-कमलनाथ

शिवराज जी 100 रू बिजली बिल नहीं, कांग्रेस तो जीरो रुपए बिजली बिल लाने वाली है

भोपाल। कोई व्यक्ति भारत के एक पवित्र त्यौहार रक्षा बंधन का इस्तेमाल अपनी सत्ता की भूख मिटाने के लिए इस तरह भी कर सकता है ये मैंने कभी सोचा न था। उन्हें बहनों के रक्षा सूत्र से सरोकार नहीं, वे सिर्फ़ सत्ता के सूत्र अपने हाथ में रखने के खोखले सपने सजा रहे हैं। वे रक्षा बंधन के कोमल संबंधों को नहीं, सिर्फ़ सत्ता बंधन के कुत्सित स्वार्थ को देख रहे हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने रविवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की गई खोखली घोषणाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही।

कमलनाथ ने कहा कि 30 अगस्त को रक्षाबंधन है। इसके बीच में सिर्फ दो दिन है। राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में इतने बड़े मंच से मुख्यमंत्री ने कह दिया कि सावन के महीने में 450 रुपए में गैस सिलेंडर मिलेगा। क्या यह घोषणा सिर्फ 2 दिन के लिए की गई है, क्योंकि रक्षाबंधन तो सावन के महीने का अंतिम दिन होगा। अभी तक किसी को भी नहीं पता कि इस 450 रू. के गैस सिलेंडर के लिए कौन पात्र होगा या कौन अपात्र होगा। इस तरह से देखा जाए तो रक्षाबंधन के पवित्र त्यौहार के संबंध में किए गए कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान ने अपने जीवन का सबसे बड़ा और क्या झूठ बोल दिया है।

कमलनाथ ने कहा कि इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 100 यूनिट तक बिजली पर 100 रू. बिल आने की बात अपने भाषण में कही है। लगता है शिवराज जी स्मृतिदोष का शिकार हो गए हैं 100 रू. में 100 यूनिट बिजली तो 2018 में बनी कांग्रेस की सरकार दिया करती थी। अब 3 महीने बाद जो कांग्रेस की सरकार बनने वाली है उसमें तो 100 यूनिट का बिल जीरो रुपए आएगा और 200 यूनिट तक का बिल हाफ हो जाएगा। कमलनाथ ने कहा कि रक्षा के बंधन का अर्थ होता है बहन बेटियों के आर्थिक और सामाजिक सरोकारों की रक्षा करना, मगर जब भी उनकी इन संदर्भों में रक्षा का प्रश्न आया तब शिवराज जी ने उनसे नाता तोड़ लिया और मुँह मोड़ लिया।

कमलनाथ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी स्पष्ट घोषणा कर चुकी है कि कांग्रेस सरकार महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह देगी। आज इतने बड़े कार्यक्रम में भी मुख्यमंत्री ने बहुत घुमा फिरा कर 1250 रुपए महिलाओं को देने की बात कही। यह भी स्पष्ट नहीं है कि वाकई यह रुपया दिया जाएगा या नहीं। जबकि मुख्यमंत्री ने एक महीने पहले से 3000 रू. महीना देने का इश्तिहार मध्य प्रदेश की सड़कों पर लगा रखा है। जिसके मन में कपट होता है, उसकी भाषा भ्रष्ट हो जाती है। मुख्यमंत्री जी की लड़खड़ाती जवान भी इसी बात की गवाही दे रही है।

कमलनाथ ने कहा कि शिवराज जी को बहन बेटियों की पीड़ा और वेदना से नहीं, बस वोटों से सरोकार है। आज मध्यप्रदेश की बेटियों की ओर से कुछ महत्वपूर्ण सवाल शिवराज जी से कर रहा हूँ जिनके जवाब अपेक्षित हैं।

कमलनाथ ने कहा कि शिवराज जी सत्ता किसी की स्थायी नहीं होती। आपको अच्छी तरह पता है कि आपकी सत्ता जा रही है। लेकिन सत्ता को बचाने के लिए रक्षाबंधन के दिन झूठ बोलना, बहनों के साथ छल करना और संवैधानिक पद की मर्यादा को तार-तार कर देना, मध्य प्रदेश की जनता की स्मृति में बहुत कटु अनुभव छोड़ जाएगा। आप अब अपनी अभिनय की दुकान समेट लीजिए और जनता को सत्य की राह पर चलने दीजिए, 3 महीने बाद कांग्रेस की सरकार बनेगी और महिलाओं को और समाज के सभी वर्गों को उनका हक और न्याय मिलेगा। कांग्रेस की सरकार मोल भाव करने वाली सरकार नहीं होगी। हमने सीधी बात कही है कि गैस का सिलेंडर ?500 में देंगे, महिलाओं को हर महीने ?1500 देंगे, 100 यूनिट तक बिजली माफ करेंगे, 200 यूनिट तक बिजली हाफ करेंगे, किसानों का कर्ज माफ करेंगे, किसानो के सिंचाई के बिजली बिल माफ करेंगे, किसानों के बकाया बिजली बिल माफ कर दिए जाएंगे, किसानों पर लगाए गए झूठे मुकदमे हटा लिए जाएंगे, किसानों को सिंचाई के लिए निर्बाध 12 घंटे बिजली मिलेगी। सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन मिलेगी। नौजवानों को रोजगार मिलेगा।

मध्यप्रदेश में चुनाव से दो महीने पहले तीन नए मंत्री

भोपाल। विधानसभा चुनाव से करीब दो महीने पहले शिवराज मंत्रिमंडल में शनिवार को 3 नए मंत्रियों को शामिल किया गया। तीनों को राज्यपाल मंगु भाई पटेल ने राजभवन में शपथ दिलाई। नए मंत्रियों में सबसे पहले महाकौशल से गौरीशंकर बिसेन, विंध्य से राजेंद्र शुक्ला और बुंदेलखंड से पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के भतीजे राहुल लोधी ने शपथ ली। बिसेन और शुक्ला को कैबिनेट मंत्री, जबकि लोधी को राज्यमंत्री बनाया गया है। शिवराज कैबिनेट में अब 33 मंत्री हो गए हैं। 1 पद अब भी खाली है। मंत्रिमंडल विस्तार पर कांग्रेस नेताओं के सवालों पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा- 75 दिन बाद भी हमारी सरकार आने वाली है। हम अभी विस्तार कर रहे हैं। बाद में फिर देखेंगे क्या करना है। उसके बाद भी हम ही आने - वाले हैं और जरूरत पड़ेगी तो एक विस्तार अभी और करूंगा। इससे पहले मध्यप्रदेश कैबिनेट में 23 कैबिनेट मंत्री, 7 राज्य मंत्री थे। 7 ज्योतिरादित्य सिंधिया के BJP में आने के बाद गठित मंत्रिमंडल को लेकर पूर्व सीएम उमा भारती कई मर्तबा कह चुकी थीं कि मंत्रिमंडल में जातीय संतुलन नहीं है। उमा के इस बयान के पीछे की वजह यह थी कि मंत्रिमंडल में लोधी समाज का एक भी मंत्री नहीं था, जबकि पिछली भाजपा की सरकारों में कुसुम महदेले और जालम सिंह पटेल मंत्री थे।2014 में बनी केंद्र में मोदी सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती केंद्रीय कैबिनेट में शामिल थीं। विंध्य क्षेत्र में 2018 की विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित %सफलता मिलने के बाद भी दमदार नेता राजेंद्र शुक्ला कैबिनेट में शामिल नहीं हो पाए थे। इस वजह से उनके समर्थकों में नाराजगी बढ़ रही थी। गौरीशंकर बिसेन महाकौशल में ह्वष्ट का बड़ा चेहरा हैं और पार्टी के सीनियर लीडर भी हैं।

मृतकों का रिकार्ड में जीवित रख निकालते रहे वेतन

पीएचई विभाग का कारनामा, 71 खातों में गया पैसा

भोपाल। प्रदेश के ग्वालियर जिले में हुए पीएचई घोटाले की जांच में नया खुलासा हुआ है। इस मामले में आरोपियों ने कर्मचारियों की मौत होने के बावजूद उन्हें रिकार्ड में जिंदा रखा और इनके नाम से वेतन और भत्ते निकालते रहे। यह पैसा 71 खातों में गया। अब इस संबंध में विभाग से जानकारी मांगी जा रही है कि कितने कर्मचारी पिछले 5 साल में मृत हुए हैं। इस खुलासे के बाद इसमें पूरे सिस्टम की ही मिलीभगत पुलिस मान रही है। विभाग के जिन कर्मचारियों की मौत हो चुकी है, उनकी हाजिरी से लेकर ड्यूटी पर मौजूदगी तक दर्शाई गई। पीएचई विभाग में 16.42 करोड़ रुपये के घोटाले के खुलासे के बाद पूरा महकमा हिला हुआ है। इस मामले में क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पंप अटेंडर हीरालाल और उसके भतीजे राहुल आर्य की भूमिका सामने आई है। इन दोनों पर ही एफआइआर दर्ज की गई है। एएसपी ऋषिकेष मीणा ने बताया कि राहुल आर्य अभी रिमांड पर है। उससे पूछताछ चल रही है। अब तक 71 बैंक खाते ऐसे हैं, जिनमें पैसा गया। इन्हें फ्रीज करवाया गया है। लेकिन इसके अलावा भी करीब 200 ऐसे खाते हैं, जो संदिग्ध है। अभी पूरा रिकार्ड जब्त नहीं हुआ है। राहुल आर्य से पूछताछ हुई तो उसने बुधवार को नया खुलासा किया। उसने पूछताछ में बताया कि पीएचई के ऐसे नियमित और संविदा कर्मचारी, जिनकी पिछले कुछ सालों में मौत हुई है। उन्हें रिकार्ड में जीवित रखा गया। बाकायदा फर्जीवाड़ा करन उनकी हाजिरी लगाई गई, उन्हें ड्यूटी पर दर्शाया गया। उनके नाम से वेतन-भत्ते इन खातों में जाते रहे। ऐसे कई कर्मचारी हैं, जिनके मृत होने के बाद भी उनके नाम से वेतन निकलता रहा।

पूरा मंत्रिमंडल बदल दें तो भी हार निश्चित-कमल नाथ

भोपाल। शिवराज मंत्रिमंडल के विस्तार पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने कटाक्ष करते हुए कहा है कि अब पूरा मंत्रिमंडल बदल दें तो भी हार निश्चित है। नाथ ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि जब कार्यकाल समाप्त हो रहा है और सरकार जाने वाली है, तब मंत्रिमंडल का विस्तार हो रहा है। विदाई के समय स्वागत गीत गाने वाली भाजपा सरकार की हार अब निश्चित है। ये मंत्रिमंडल नहीं, भ्रष्टाचार की मित्र मंडली का विस्तार है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले विधायकों पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि जब सरकार के दिन गिने-चुने बचे हैं, तब सत्ता में शामिल होकर ये कौन सा जन हितैषी काम कर लेंगे? अगर थोड़ा भी जमीर इनमें होता तो इस भ्रष्ट मंत्रिमंडल में शामिल ही नहीं होते और क्या राहुल लोधी ने उमा भारती जी की स्वीकृति ले ली है?

शिवराज जी ने दीं अपने अभिनय को नई ऊंचाइयां-कमल नाथ ने कहा कि शिवराजजी आज आपने अभिनय को नई ऊंचाइयां दी हैं। प्रधानमंत्री अगर पूरे देश में घूम-घूम कर, रेलगाड़ियों का उद्घाटन कर रहे हैं तो मुख्यमंत्री जी ने मेट्रो ट्रेन ना सही, ट्रेन के डिब्बे के माडल का ही उद्घाटन कर दिया। 2019 में जब मैंने भोपाल मेट्रो परियोजना की आधारशिला रखी थी तब 2022 तक भोपाल में मेट्रो सेवा प्रारंभ करने का लक्ष्य था, लेकिन सौदेबाजी की सरकार लक्ष्य से भटक गई, यह कितना हास्यास्पद है कि मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट को पटरी से उतारने के बाद मुख्यमंत्री जनता का ध्यान भटकाने के लिए खिलौनों से खेल रहे हैं।

दुनिया देखेगी... ओंकारेश्वर में मां नर्मदा की लहरों पर सौर ऊर्जा से बिजली बनेगी

नदी में तैरते सोलर पैनल लगाने का काम शुरू, तीन महीने में बिजली उत्पादन होगा

भोपाल । *सौर ऊर्जा को शासन बहुत ही गंभीरता, सजगता और संवेदनशीलता के साथ प्रोत्साहित कर रहा है। संभाग के ओंकारेश्वर में नर्मदा के बांध के बैक वाटर पर विश्व का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट आकार ले रहा है। फ्लोटिंग पैनल्स भी इंदौर में बने हैं।*

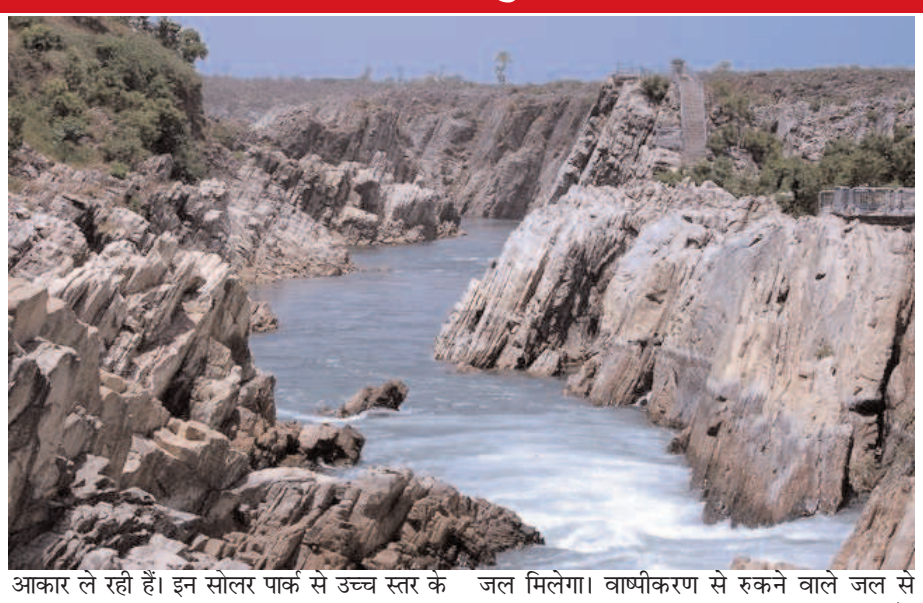

मध्यप्रदेश ऊर्जा व नवकरणीय ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे ने बताया कि विदिशा जिले के सांची को भारत की पहली सोलर सिटी बनाया है। नीमच जिले के सिंगोली के पास बड़ावदा, कवई, बड़ी में कुल 500 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क बन रहे हैं। आगर जिले के सुसनेर क्षेत्र के उमरिया और पिपल्या कुमार में 350 व 200 मेगावाट के सोलर पार्क बन रहे हैं। शाजापुर जिले के मोमन बड़ोदिया क्षेत्र में 325 मेगावाट की दो इकाइयां आकार ले रही हैं। इन सोलर पार्क से उच्च स्तर के ग्रिडों में बिजली का प्रवाह सितंबर-अक्टूबर से पहले होने लगेगा। दुबे ने बताया कि ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी के बैक वाटर पर फ्लोटिंग सोलर पार्क तैयार किया जा रहा है। यह फ्लोटिंग सोलर पार्क विश्व में सबसे बड़ा होगा। इस पार्क से नर्मदा के जल का वाष्पीकरण भी उस सतह पर 70 प्रतिशत तक रुकेगा और किसानों को पहले की तुलना में ज्यादा जल मिलेगा। वाष्पीकरण से रुकने वाले जल से करीब एक लाख एकड़ में सिंचाई हो सकती है। इसी के साथ जल के ऊपर तैरती पैनल्स से प्रदेश रोशन होगा। पहले चरण में ओंकारेश्वर के पास बैक वाटर पर 600 मेगावाट क्षमता की पैनल्स लगेंगी। बैक वाटर के पुनासा क्षेत्र में फ्लोटिंग सोलर पैनल्स के स्टैंड पर सोलर पैनल्स को तैरती अवस्था में स्थापित करने का काम शुरू किया है। तीन-चार माह में प्रथम चरण के बिजली का उत्पादन शुरू होगा।

ट्रांसफॉर्मर, इनवर्टर, बिजली उपकरण भी पानी में-नदी के अंदर सीमेंट के प्लेटफॉर्म पर ट्रांसफॉर्मर, इनवर्टर और अन्य उपकरण लग रहे हैं। अपनी तरह के इस अनोखे काम को करने के लिए खास तैयारियां भी की जा रही हैं। हाईड्रोलिक प्रेशर मशीन से गोताखोर जमीन के नीचे ऑटोमैटिक स्प्रिंग लग रहे हैं, जो पानी के ऊपर सोलर पैनल को विपरीत मौसम में संतुलित बनाए रखेगी।

3000 करोड़ का प्रोजेक्ट-550 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा है। पहले चरण में 278 मेगावाट बिजली सौर ऊर्जा से बनाने का काम शुरू हो गया है, जिसमें तीन कंपनियां भागीदारी कर रही हैं, वहीं तीन और कंपनियों की टेंडर प्रक्रिया चल रही है। तकरीबन 3000 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट से पैदा होने वाली बिजली को ऊर्जा विभाग खरीदेगा।

पीर कराड़िया में बन रहे पैनल

सोलर पैनल का निर्माण भी इंदौर जिले के पीर कराड़िया (शिप्रा ब्रिज के समीप) हो रहा है। यहां पर सौर ऊर्जा की प्लेट बनाने की छोटी- बड़ी इकाइयां हैं।

वर्दी समाज और देश के सम्मान का प्रतीक-राज्यपाल मंगुभाई पटेल

एस.एस.बी. के प्रशिक्षु अधिकारियों को दी नियमित व्यायाम और पौष्टिक आहार की सलाह

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि वर्दी समाज और देश के सम्मान का प्रतीक है। वर्दी जनता के मन में सुरक्षा का विश्वास पैदा करती है। राज्यपाल श्री पटेल गुरूवार को राजभवन में सशस्त्र सीमा बल के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सशस्त्र सीमा बल के प्रशिक्षु अधिकारियों को धैर्यवान, तनावरहित रहने, अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित योग, व्यायाम करने और पौष्टिक खान-पान की सलाह दी। सशस्त्र सीमा बल के महा निरीक्षक संजीव शर्मा द्वारा राज्यपाल को पौधा एवं स्मृति-चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डी.पी. आहूजा भी उपस्थित थे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा, नागरिकों के सुख-चैन का आधार होती है। जब परिवार से दूर रहकर हमारी सीमाओं की रक्षा के लिए सीमा के प्रहरी जागते है तभी हम देशवासी चैन और शांति की नींद सो पाते है। किसी भी देश के सर्वांगीण विकास के लिए सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण होती है। प्रशिक्षु अधिकारी निष्ठा, ईमानदारी एवं राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर-सैनिकों की गाथाओं से प्रेरणा लें। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सीमा बल पर नेपाल और भूटान जैसे मित्र राष्ट्रों की सीमाओं की सुरक्षा की संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है। सीमा की सुरक्षा के लिए असामाजिक तत्वों एवं राष्ट्र विरोधी ताकतों का पूरी कठोरता के साथ दमन करें। साथ ही सीमाओं पर रहने वाले आमजनों को सदैव सुरक्षित महसूस कराएं। कभी किसी निर्दोष के साथ अन्याय नहीं होने पाए।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आप लोग कठिन प्रशिक्षण के पश्चात 'आजादी के अमृतकाल' के महत्वपूर्ण प्रसंग में देश की सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को देश के प्रतिष्ठित और गौरवशाली सुरक्षा बल का सदस्य बनने पर शुभकामनाएं दीं। स्वागत उद्बोधन में महानिरीक्षक एस.एस.बी. अकादमी भोपाल श्री शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग से चयनित 23 प्रशिक्षु अधिकारियों के 52 सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी दी। महिला प्रशिक्षु अधिकारी रौनक त्यागी ने समस्त प्रशिक्षु अधिकारियों की ओर से प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के उप-सचिव स्वरोचिष सोमवंशी, उप-महानिरीक्षक एस.एस.बी. सोमित जोशी एवं सशस्त्र सीमा बल के सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

हमीदिया में पेसमेकर लगवाने वाले मरीजों की बढ रही संख्या

अस्पताल में पेसमेकर लगाने की होती है मुफ्त सर्जरी

भोपाल। राजधानी के हमीदिया अस्पताल में पेसमेकर लगवाने आने वाले मरीजों की संख्या दिन प्रतिदिन बढती जा रही है। हमीदिया अस्पताल में पेसमेकर लगवाने का काम आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क किया जाता है। हमीदिया अस्पताल प्रदेश के मरीजों का भरोसा जीतने में कामयाब हो रहा है। यही कारण है कि धीरे-धीरे अब हमीदिया में पेसमेकर लगवाने के लिए आने वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

कार्डियोलाजी विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2018 में एक पेसमेकर लगाने से शुरू हुआ सिलसिला इस साल आठ माह में 25 तक पहुंच गया है। इसका फायदा मरीजों को मिल रहा है। आमतौर पर पेसमेकर लगवाने का खर्च निजी अस्पताल में ढाई से तीन लाख रुपये तक आता है। यही सुविधा हमीदिया में 60-70 हजार रुपये में मिल रही है। आयुष्मान भारत योजना में तो हमीदिया में यह निःशुल्क है। मालूम हो कि हृदय की धड़कन को नियंत्रित करने के लिए पेसमेकर का उपयोग होता है। यह दो भागों में बंटा हुआ होता है। एक तरफ जेनरेटर और दूसरी तरफ इसके तार होते हैं। जेनरेटर बिजली बनाने का काम करता है, जबकि तार धड़कन को बनाए रखने के लिए हृदय तक बिजली पहुंचाती है। पेसमेकर को हृदय के बायें या दायें कालर बोन में त्वचा के नीचे लगाया जाता है। इसे नसों से जोड़ा जाता है। यह 25 से 35 ग्राम वजनी छोटी-सी डिवाइस होती है। सामान्यतः हृदय की धड़कन 60 से 120 के बीच विभिन्न आयु वर्ग के लोगों में होती है। यह धड़कन 40 से कम होने पर हृदय को रक्त की आपूर्ति करने में दिक्कत होने लगती है। ऐसी स्थिति में डाक्टर पेसमेकर लगाने की सलाह देते हैं। पेसमेकर से आर्टिफिशियल हृदय की धड़कन उत्पन्न होती है। जब हृदय की धड़कन सामान्य हो जाती है तो वह स्वयं सामान्य रूप से धड़कने लगता है।

इस दौरान पेसमेकर काम करना बंद कर देता है। इस तरह से पेसमेकर की बैटरी लंबे समय तक चल जाती है। एक पेसमेकर करीब 10 से 15 साल तक चल जाता है। इस बारे में हमीदिया अस्पताल, भोपाल के डीएम कार्डियोलाजी डा. राजीव गुप्ता का कहना है कि पेसमेकर ही नहीं, हम लगातार एंजियोग्राफी-एंजियोप्लास्टी भी कर रहे हैं। हमारे यहां के आइसीयू और वार्ड हमेशा भरे रहते हैं। इसलिए एक मरीज को पांच दिन रखने का प्रोटोकाल ही तैयार कर दिया है। इन पांच दिनों में मरीज की बेहतर देखभाल करते हैं।

Bollywood Update

नुसरत भरूचा ही नहीं ये सितारें भी रह गए अंडररेटेड

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री एक से बढ़कर एक नगीनों से भरी है। फिल्म इंडस्ट्री में कई सितारे हैं जो अपनी धारदार एक्टिंग से लोगों के दिलों पर राज करते हैं। कई सितारे ऐसे हैं जिन्होंने अपनी एक्टिंग से तो अपने नाम का लोहा मनवा लिया। मगर बावजूद इसके ये सितारे आज भी काम के लिए मायानगरी में स्ट्रग्ल करते हैं। इन सितारों में नुसरत भरूचा से लेकर यामी गौतम तक का नाम शामिल है। जिन्होंने अपनी फिल्मों में शानदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीता। बावजूद इसके इन्हें इंडस्ट्री में ज्यादा मौके नहीं मिल रहे।

नुसरत भरूचा

प्यार का पंचनामा फेम एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने करियर में कई शानदार फिल्में दी हैं। वो ड्रीम गर्ल से लेकर सोनू के टीटू की स्वीटी तक में फैंस को इंप्रेस कर चुकी हैं। हालांकि एक्ट्रेस को अभी तक इंडस्ट्री में उन्हें मनचाहा मुकाम नहीं लिया है। वो आज भी फिल्में पाने के लिए स्ट्रग्ल करती हैं।

यामी गौतम

ओएमजी 2 स्टार यामी गौतम विक्की डोनर से लेकर बाला तक कई फिल्मों से दर्शकों को इंप्रेस कर चुकी हैं। उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक गर्ल को आज भी बेहद कम ही फिल्मों में देखा जाता है। ये बात अलग है कि उनकी हर फिल्म में वो दर्शकों से तारीफें बटोर ले जाती हैं।

जॉन अब्राहम

बॉलीवुड स्टार जॉन अब्राहम भी एक जबरदस्त स्टार हैं। पठान स्टार ने इंडस्ट्री में कई साल गुजार दिए और कई शानदार फिल्में दीं। बावजूद इसके उन्हें स्ट्रग्ल करना पड़ता है।

विजय वर्मा

एक्टर विजय वर्मा इन दिनों अदाकारा तमन्ना भाटिया संग रिश्ते की वजह से सुर्खियों में हैं। विजय वर्मा की धारदार एक्टिंग कई फिल्मों में उन्हें अलग चमका चुकी हैं। बावजूद इसके अभी उन्हें उम्मीद के मुताबिक मुकाम इंडस्ट्री में नहीं हासिल हुआ।

इमरान हाशमी

सीरियल किसर का टैग हासिल कर इंडस्ट्री में अलग नाम कमा चुके फिल्म स्टार इमरान हाशमी ने कुछ वक्त पहले ही इंडस्ट्री में धांसू कमबैक किया है। इमरान हाशमी इंडस्ट्री के एक बेहतरीन कलाकार की लिस्ट में आते हैं। बावजूद इसके वो मुकाम नहीं मिला।

लगातार उड़ रही प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर रुबीना ने तोड़ी चुप्पी

रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला टीवी इंडस्ट्री के सबसे पॉपुलर कपल्स में से एक हैं। चार साल तक डेटिंग के बाद इस जोड़ी ने 21 जून 2018 को शादी की थी। वहीं पिछले कुछ समय से रुबीना की प्रेग्नेंसी के रुमर्स छाए हुए हैं। फैंस कयास लगा रहे है कि अभिनव और रुबीना जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। वहीं इन रुमर्स पर एक बार फिर रुबीना ने रिएक्शन दिया है। हाल ही में मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में रुबीना दिलैक से उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अफवाहों के बारे में पूछा गया था। इस पर एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि एक पब्लिक फिगर के रूप में, वह जानती हैं कि ये अटकलें और अफवाहें होती रहती हैं और वह इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती हैं। रूबीना ने कहा, मुझे पता है कि मैं इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती, इसलिए मैं इन चीजों से खुद को परेशान नहीं करती हूं।

रुबीना ने कहा कोई रूमर्स नहीं करता प्रभावित

पंजाबी इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही रुबीना ने आगे कहा कि कोई भी अफवाहें उन्हें प्रभावित नहीं करती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, कोई भी अफवाह मुझे प्रभावित नहीं करती, चाहे वह काम से हो या मेरी पर्सनल लाइफ से। हमने पब्लिक फिगर के रूप में लोगों के के लिए अपनी जिंदगी को एक्सपोज किया है, इसलिए यह बिल्कुल ठीक है। मैं अपना काम करना जारी रखती हूं और मैं लोगों को गेस करने और एन्ज्यूम करने देती हूं। वहीं रुबीना के ट्रांजिशन वीडियो से उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ने के तुरंत बाद, उनके पति अभिनव ने भी इस बारे में खुलकर बात की थी। मीडिया को दिए इंटरव्यू में अभिनव ने बताया कि ये सब सिर्फ अफवाहें हैं। अभिनव ने आगे कहा कि उस दौरान वह ट्रैलर कर रहे थे और उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

रांची के राहुल भगत ने अमेज़न मिनीटीवी का हिप हॉप इंडिया का इनॉग्रल सीज़न जीता!

मुंबई। अमेज़ॅन मिनीटीवी का सबसे बड़ा डांस रियलिटी शो - हिप हॉप इंडिया का शानदार ग्रैंड फिनाले संपन्न हो चूका है। जिसका रिजल्ट आपके सामने लेकर आ रहे है। इस डांस शो में धुआंदार परफॉर्मन्स देने के बाद जीत का ताज राहुल भगत पर जच रहा है। यह रियलिटी शो एक डांस मैराथन की तरह था। इस शो को डांस मास्टर्स रेमो डिसूजा और बॉलीवुड की जानी मानी डांसर नोरा फतेही द्वारा जज किया गया। इस भव्य ग्रैंड फिनाले में रैपर बादशाह और रफ़्तार ने अपने स्वैग अवतार के साथ मंच की चमक बढ़ा दी। जजेस को इस मंच पर डांस के हुनर में सबसे बेहतरीन और कठिन लड़ाई देखने को मिली।

7 सप्ताह की कड़ी प्रतिस्पर्धा और शानदार प्रदर्शन के बाद, भारत का पहला हिप हॉप आधारित डांस रियलिटी शो संपन्न हो गया है, जिसमें राहुल भगत हिप हॉप चैंपियनके तौर पर उभर कर है।

इस ट्राफी को पाने के लिए राहुल ने दो अन्य फाइनलिस्ट - डांसिंग क्रू यूजीएच, और ऊर्जा से ओतप्रोत जोड़ी दिव्यम और दर्शन को हराया है । इस प्रतिस्पर्धा को जीतकर राहुल अपने घर निसान मैग्नाइट गेज़ा स्पेशल एडिशन कार और हिप-हॉप इंडिया चैंपियनशिप बेल्ट लेकर जा रहे है। राहुल का डांस का ये सफर चौथी कक्षा से ही आरम्भ हो चूका था। लगभग एक दशक से नृत्य कार्यक्रमों में वह दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। अब उनका आगे का लक्ष्य है पुरे झारखंड में हिप-हॉप डांस को बढ़ावा देना।

ग्रैंड फिनाले में बॉलीवुड डांसर जो इस शो की जज भी थी रोंगटे खड़े कर देने वाला डांस प्रस्तुत किया। नोरा ने दिलबर को दिल सदके और डिवाइन के मिर्ची गाने पर सभी के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी। साथ ही डांसर , जज रेमो डिसूजा ने भी 3 साल बाद लाइव परफॉरमेंस दिया। इनका साथ देते हुए सेलिब्रिटी जज बादशाह और रफ़्तार ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए मंच पर मानों आग लगा दी।

जज रेमो डिसूजा ने कहा, राहुल भारत के हिप हॉप डांसिंग एक प्रतिभावान और अद्भुत डांसर है। मैं उनके हाथ में ये हिप हॉप चैंपियनशिप बेल्ट देखकर बहुत खुश हूं।÷ उनकी प्रतिभा, डांस के प्रति अटूट जुनून देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है , जिसने उन्हें गली से ग्लोरी तक पहुंचाया है। सिर्फ राहुल ही नहीं, बल्कि हिप हॉप इंडिया के सभी प्रतियोगियों को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने अपना सब कुछ यहाँ न्यौछावर कर दिया। मैं सभी दर्शकों को उनके अटूट समर्थन और शो के पहले एडिशन को इतना बड़ा सफल शो बनाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

इस मंच पर नोरा फतेही ने अपने अनुभव को बताते हुए कहा कि , भारत के हिप हॉप डांसर की खोज में इस रोमांचक नृत्य यात्रा की शुरवात हुई थी। आज उसे अपना हिप हॉप डायमंड मिल गया है। और राहुल ने इसे पा लिया है इससे बढ़कर खुशी मेरे लिए हो ही नहीं सकती है। पूरे शो में उनका प्रदर्शन महान से महानतम रहा है और यह वास्तव में हिप हॉप के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और प्यार को दर्शाता है । मैं इस अवसर पर सभी प्रतियोगियों और अमेज़न मिनीटीवी और हिप हॉप गली से ग्लोरी तक में शामिल सभी लोगों के लिए तालियां बजाकर अभिवादन करना चाहती हूँ।

अमेज़ॅन मिनीटीवी पर हिप हॉप इंडिया आप मुफ्त में स्ट्रीमिंग कर सकते है। आप अमेज़ॅन मिनीटीवी को प्लेस्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं, या अमेज़ॅन शॉपिंग ऐप या फायर टीवी पर देख सकते हैं।

रक्षाबंधन पर बहनों को दें ये खास तोहफे

हिन्दू धर्म में रक्षाबंधन के दिन का बहुत ही महत्त्व है इस दिन बहनें अपने प्यारे भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती हैं फिर मिठाई खिलाकर उसकी आरती उतारती हैं और भाई अपनी बहनों की रक्षा करने के लिए वचन भी देता है। यह दिन भाई-बहन के बीच प्यार के पवित्र बंधन का प्रतीक है। इस दिन भाई अपनी बहनों को तोहफे देते हैं लेकिन कुछ बहनें भी अपने भाइयों को तोहफे देती हैं। अगर आप भी अपने प्यारे भाई को कुछ उपहार देना चाहती हैं तो ये है आपके लिए आइडियाज।

स्मार्टवॉच
आजकल हर कोई स्मार्टवॉच पहन रहा है तो इस रक्षाबंधन आप अपने भाई को डिजिटल वॉच गिफ्ट कर सकती हैं।

चॉकलेट और कार्ड
आप अपने प्यारे भाई को एक चॉकलेट हैंपर के साथ एक कार्ड पर एक प्यारा सा संदेश लिख कर दे सकती हैं। इससे उसको बहुत ही स्पेशल फील होगा।

परफ्यूम
इस रक्षाबंधन पर आप अपने भाई को उनका पसंदीदा परफ्यूम सेट गिफ्ट कर सकती हैं। यकीनन उसे यह मिलेगा तो वह खुशी से उछल पड़ेगा।

बेस्ट ब्रदर मग
आप अपने भाई को 'बेस्ट ब्रदर' लिखा हुआ कॉफी मग गिफ्ट कर सकती हैं। आप चाहें तो इस पर अपना और अपने भाई का फोटो लगावा सकती हैं। यह आपको ऑनलाइन मिल जाएगा।

कैरिकेचर
आप अपने भाई को कैरिकेचर भी गिफ्ट कर सकती हैं। यह आपको ऑनलाइन मिल जाएगा, इसको बनवाने के लिए बस आपको अपनी और भाई की फोटो भेजनी होगी। यकीनन उसे यह गिफ्ट बहुत पसंद आएगा।

हैंड ग्रिप स्ट्रेंथनर बंडल
अगर आपके भाई को जिमिंग का शौक है तो आप उन्हें यह हैंड ग्रिप स्ट्रेंथनर बंडल गिफ्ट कर सकती हैं। यह उसे बहुत पसंद आएगा।

फोटो फ्रेम
इस रक्षाबंधन पर आप अपनी और अपने भाई की पुरानी तस्वीरों को एक फ्रेम में लगाकर अपने भाई को गिफ्ट कर सकती हैं। इससे पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी और यह पल भी यादगार बन जाएगा।

घर पर ऐसे तैयार करें गुलाब जामुन

त्योहार कोई सा भी हो, उसके आने के कई दिन पहले से ही बाजारों में रौनक दिखने लगती है। हर त्योहार से पहले महिलाएं जमकर खरीदारी करने बाजार पहुंचती हैं। अगर बात करें इस महीने के त्योहार की तो अगस्त के अंत में रक्षाबंधन का त्योहार आने वाला है। राखी के इस त्योहार पर लड़कियां अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं। ये काफी पावन त्योहार माना जाता है। ऐसे में इस दिन सभी घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं।

खाने के साथ-साथ महिलाएं अपने घरवालों और खासतौर पर भाई के लिए मिठाई तैयार करती हैं। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी मिठाई की रेसिपी बताने जा रहे हैं, जिसे खाना हर किसी को पसंद आता है। इसके साथ ही इसे बनाना काफी आसान है। हम बात रह रहे हैं गुलाब जामुन की,

इसे आप आसानी से अपने घर पर बना सकती हैं। आइए देर ना करते हुए आपको गुलाब जामुन बनाने का सही तरीका बताते हैं।

गुलाब जामुन बनाने का सामान
खोया यानी मावा- 1 कप
चीनी-4 कप
इलायची-3-4
पानी-3 कप
बेकिंग सोडा-1 चुटकी
ड्राई फ्रूट्स- जरूरत के मुताबिक
घी-2 कप

विधि
अगर आप घर पर गुलाब जामुन बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले मावे को अच्छे से मैश कर लें। इस मैश किए हुए मावे में बेकिंग सोडा मिलाकर एक डो तैयार करें। इसके बाद इस डो को मुलायम करने के लिए दो बूंद घी डालें। डो तैयार करते वक्त ये ध्यान रखें कि ये ज्यादा टाइट ना हो। इसके बाद अब इस डो से अपने हिसाब से गुलाब जामुन तैयार कर लें। अब कढ़ाई में घी डालें और उसे सही से गर्म करें। एक बार घी को सही से गर्म करके गैस धीमी कर दें और गुलाब जामुन को इसमें डाल दें।जब ये तैयार हो रहे हैं, तब तक गुलाब जामुन की चाशनी तैयार करें। चाशनी तैयार करने के लिए पानी और चीनी को मिलाकर पकाएं। खूशबू के लिए इसमें इलायची पाउडर डाल दें।जब गुलाब जामुन सही से सुनहरे हो जाएं तो इसे निकालकर चाशनी में डाल दें। कुछ समय बाद गुलाब जामुन को चाशनी से निकालकर इस पर मेवे डालें और गर्मागर्म ही परोसें।

खालिस्तानी समर्थक गैंग; शहर में 15 वारदात, सेंधवा में बेचते माल

पंजाब तक फैला नेटवर्क

इंदौर। खालिस्तानी आतंकवादियों और गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई को हथियार सप्लाय करने वाले कुख्यात तस्कर राजेंद्र बरनाला और उसके साथियों से गुरुवार रात एटीएस ने आतंकी कनेक्शन पर पूछताछ की। उधर, आरोपियों ने अन्नपूर्णा पुलिस को बताया कि उन्होंने शहर में 15 जगह चोरी की। तीन स्थानों पर माल चुराकर ले जाने में सफल रहे। तीनों चोरियों के स्थान पर आरोपियों को टीम लेकर गई और माफी मंगवाई।

आरोपियों ने चोरी का माल सेंधवा में ज्वेलर्स को बेचना कबूला है। एडिशनल डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि गैंग के सरगना राजेंद्र सिंह बरनाला के साथ साथी बादल बरनाला, राजेश उर्फ राजू, सिद्धार्थ उर्फ बंटी, और बलवान 28 अगस्त तक पुलिस रिमांड पर हैं। इन्होंने शहर में 15 स्थानों पर रात में कार से घूमकर चोरियां करना कबूला है। चोरी के माल की रिकवरी के लिए एक टीम सेंधवा भी भेजी है। सरगना का साला देता था सूने बंगलों की लोकेशन, कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर निकलते थे वारदात करने टीआई संजू कामले ने बताया आरोपी शातिर सिकलीगर हैं। राजेंद्र बरनाला का साला बलवान जुनेजा, जो द्वारकापुरी में रहता है, वही इन्हें इंदौर में सूने बंगलों की रैकी कर वारदात के लिए टिप देता था। लोकल इनपुट मिलते ही ये कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर रात में वारदात के लिए आ जाते थे। राऊ, राजेंद्र नगर और कनाड़िया में इन्होंने चोरी करना कबूला है। आरोपियों ने बताया कि 50 हजार रुपए का माल चोरी में हाथ लग जाता तो ये उससे अवैध पिस्टल हथियार बनाकर उसे 5 लाख रुपए तक में बेच देते थे। हथियार बनाने के लिए ही ये गैंग चोरी करती है। आरोपियों को पकड़ने वाली टीम में एसआई देवेंद्र मिश्रा और साइबर सेल के आशीष भी शामिल रहे।

चंपू अजमेरा पर एक और केस

इंदौर। कालिंदी गोल्ड, फिनिक्स और सेटेलाइट हिल्स कॉलोनी में जमीन की जालसाजी मामले में फंसे चंपू अजमेरा एक और मामले में उलझ गया है। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने 11 करोड़ की हेराफेरी करने के मामले में चंपू के खिलाफ कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने का केस दर्ज किया है। इससे कोर्ट से जमानत पर छूटे चंपू की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

शिकायत पर ईओडब्ल्यू पिछले कुछ दिनों से जांच कर रही थी। जांच में ईओडब्ल्यू ने चंपू को दोषी मानते हुए केस दर्ज किया है। 2012-13 में चंपू की मेसर्स गोल्ड टेरेस अपार्टमेंट से मेसर्स गोल्ड लाइन वेन्चर्स प्रालि नामक कंपनी ने सांवेर के भवरासला गांव की छह हेक्टेयर जमीन खरीदी थी। कंपनी ने इस जमीन का सौदा पहले मेसर्स एस्ट्यूट इन्फ्रा कंस्ट्रक्शन प्रालि से 9 करोड में किया था। बाद में सौदा आपसी सहमति से खत्म हो गया। उसमें तय हुआ था कि मेसर्स एस्ट्यूट इन्फ्रा कंस्ट्रक्शन प्रालि को चंपू 15 करोड़ रुपए देगा, जिसमें से 4 करोड़ उसने लौटाए भी। बचे 11 करोड़ दिए बगैर उसने गोल्ड लाइन वेन्चर को जमीन बेच दी। सौदे में उसने एस्ट्यूट इंन्फ्रा से हुए सौदे की जानकारी नहीं दी। एसपी ईओडब्ल्यू धनंजय शाह ने बताया, चंपू अजमेरा व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। चंपू ने साथियों के साथ कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर धोखाधड़ी की है।

नई कोर्ट बिल्डिंग तक किया जाए मेट्रो का विस्तार, एमडी से मिले वकील

इंदौर। पीपल्याहाना में बन रही नई कोर्ट बिल्डिंग तक मेट्रो ट्रेन चलाए जाने की मांग को लेकर वकीलों का दल मेट्रो रेल परियोजना के एमडी से मिला। वकीलों ने . लोक परिवहन विकास समिति नामक संस्था भी बनाई है। अधिवक्ता कमल गुप्ता, प्रमोद व्यास के मुताबिक ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पीपल्याहाना में नई बिल्डिंग का काम तेजी से चल रहा है। नई कोर्ट शुरू होने पर बड़ी संख्या में वकील और पक्षकार यहां आएंगे। कुमेड़ी में आईएसबीटी भी बन रहा है। यहां पर भी मेट्रो का स्टेशन रहेगा। मेट्रो का विस्तार पीपल्याहाना तक हो जाए तो वकील और पक्षकारों को सीधे बस स्टेशन से कोर्ट तक का सस्ता लोक परिवहन मिल जाएगा। इससे निजी वाहनों का लोड भी कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में कम होगा। एमडी से मिले प्रतिनिधिमंडल में अधिवक्ता गिरीश मोहन पाठक, कौशल बंसल, विवेक पांडे भी मौजूद थे।

पं. विष्णुप्रसाद शुक्ला की स्मृति में सम्मान समारोह हुआ

इंदौर। संस्था समृद्ध द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी स्व. पं. विष्णुप्रसाद शुक्ला की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर सम्मान समारोह रेवती स्थित औचित्य ब्रह्मण मांगलिक परिसर में आयोजित किया गया।

जिसमे 200 से ज्यादा वरिष्ठ समाजसेवी और पहलवानों का सम्मान हुआ। संस्था समृद्ध के अध्यक्ष युवा समाजसेवी लक्की अवस्थी ने बताया कि वरिष्ठ समाजसेवी स्व. पं. विष्णुप्रसाद शुक्ला की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शुक्रवार को सुबह पौधारोपण किया, जिसमें कई किस्मों के पौधे रोपे, पर्यावरण का सरंक्षण का संकल्प भी लिया।

शाम को सम्मान समारोह शाम 6 बजे से आयोजित किया जिसमे अलग-अलग क्षेत्र में कार्य करने वाले 200 से ज्यादा वरिष्ठ समाजसेवियों का सम्मान और योग के माध्यम से नशा छुड़ाने वाले योगाचायो और वरिष्ठ पहलवानों का भी सम्मान किया। समाजसेवियों का सम्मान जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट पूर्व विधायक सत्यनारायण सत्तन पूर्व नगर अध्यक्ष कैलाश शर्मा संजय शुक्ला विधायक ईडीए उपाध्यक्ष गोलू शुक्ला, राष्ट्रीय कवि सत्यनारायण, पिंटू जोशी, दीपू यादव, खुरासान पठान, रविंद्र अवस्थी समर सोलंकी सांवेर मंडल अध्यक्ष अतिथि ने किया पत्रकार जगत से हृदयेश दीक्षित, अरविंद तिवारी, सुदेश तिवारी, प्रवीण खरीवाल उपस्थित हुए। इसमें अश्विनी शुक्ला, पार्षद राहुल जायसवाल, विकास अवस्थी, अनूप शुक्ला, अनु बाजपेई, दीपक शुक्ला, राधू जायसवाल, संजय दुबे, मानसिंह मानवत, पप्पू शर्मा, योगेश गेंदर पार्षद, राजेश पांडे, अर्जुन छेत्रीय, बालू शुक्ला, नितिन दीक्षित, राजू ठाकुर अंतिम ठाकुर, कैलाश मानवत नरेश यादव, सौरभ राठौर, बंटी ठाकुर, जगदीश शर्मा, महावीर जैन, दीपक कदम, संदीप यादव, चंदन बेस, महेंद्र यादव, बबलू जोधा, नरेश यादव अभिषेक जैन नितिन दिक्षित विक्की अवस्थी समृद्ध अवस्थी, रोनाक अवस्थी, रवि तिवारी, नीरज गुप्ता राजेश भंडारी सर्वेश तिवारी, रूपेश यादव, सुधीर यादव शैलू ठाकुर बबुआ यादव अनिकेत परिहार, प्रदीप चौहान दाऊ, अमित सुनेल, मयंक जोशीसम्मिलित हुए। समृद्ध संस्था के सभी सदस्य भी सम्मिलित र संचालन आनंदीलाल शर्मा ने किया।

राजा मांधवानी ने समर्थकों के साथ भोपाल में की दिग्विजय सिंह से मुलाकात

इन्दौर। विधानसभा चुनाव की तैयारी में विधानसभा 4 के प्रबल दावेदार माने जा रहे सिंधी समाज के समाजसेवी एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेहझ पी. एल. राजा मांधवानी जहां क्षेत्र के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं से लगातार सम्पर्क में होकर क्षेत्र में धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक सम्मेलन आयोजित करवा रहे हैं। वहीं अब मांधवानी ने भोपाल का रुख करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मेल-मुलाकात करना शुरु कर दिया है, इसी कड़ी में श्री मांधवानी ने बुधवार को भोपाल जाकर पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह से मुलाकात की. इस दौरान श्री मांधवानी ने अपने द्वारा किए जा रहे सेवाकार्य और विधानसभा चार की भौगोलिक स्थिति से अवगत कराया. वहीं पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष विनय बाकलीवाल ने राजा मांधवानी के समर्थन में भोपाल गये, समर्थक एवं विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों से परिचय कराया. इस मौके पर विधानसभा 4 के दावेदार दिलीप ठक्कर ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह के समक्ष श्री पी. एल. राजा मांधवानी के समर्थन में चुनावी मैदान से हटने की घोषणा की। इस दौरान भोपाल सेंट्रल सिंधी समाज महापंचायत के अध्यक्षा भगवानदेव इसरानी, मध्यप्रदेश सिंधी पंचायत बोर्ड के अध्यक्ष दिनेश मेघानी, पूर्व पार्षद प्रीतम माटा, कमल संदवाने, दयाल चौहान, बलाक कांग्रेस अध्यक्ष दिलीप कूदल, मंडलम् अध्यक्ष मोहन चौहान, गोपाल दरियानी, हिमांशु यादव, प्रकाश महावर कोली, निलेश गौसर, रविकांत मिश्रा, इम्तियाज बेलिम, मजहर हुसैन सेठजीवाला, राजकुमार शर्मा, कपिल प्रजापत, जीतू सोलंकी, दीपक यादव शामिल थे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)